एम. ए. पूर्वार्द्ध – हिन्दी साहित्य – 2018–19

द्वितीय प्रश्न–पत्र – साहित्य शास्त्र : भारतीय एवं पाश्चात्य

समय : 3 घंटे **उत्तीर्णांक : 36** **पूर्णांक : 100**

इकाई – 1

काव्य की अवधारणा –

रस सिद्धान्त – रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, रस–अर्थ और स्वरूप, रसावयव, भरत का रससूत्र और उनके प्रमुख व्याख्याकार , हिन्दी के आचार्यों– रामचन्द्र शुक्ल और नगेन्द्र की रस विवेचनाएं, सहृदय की अवधारणा।

ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि– अर्थ और स्वरूप, भेद–प्रभेद, महत्त्व, प्रमुख आचार्य, (परम्परा), काव्य की आत्मा मानने के पक्ष–विपक्ष में तर्क, आनन्दवर्द्धन का योगदान।

इकाई – 2

वक्रोक्ति सिद्धान्त –

वक्रोक्ति – लक्षण और स्वरूप, भेदोपभेद, विकास, कुन्तक के वक्रोक्ति सिद्धांत और क्रोचे के अभिव्यंजनावाद की तुलना।

अलंकार सिद्धान्त –

अलंकार के लक्षण और स्वरूप, काव्य में महत्त्व, अलंकार सम्प्रदाय के प्रमुख आचार्य, अलंकार और आलंकार्य ।

रीति सिद्धान्त –

अर्थ और स्वरूप, रीतियों के प्रमुख भेद, रीति और गुण, रीति और शैली, वामन का अवदान।

औचित्य सिद्धान्त –

स्वरूप, भेद, औचित्य का अन्य सम्प्रदायों से संबंध ।

इकाई – 3

1. **विरेचन सिद्धान्त** –अरस्तू, 2.**सम्प्रेषण सिद्धान्त** –आई. ए. रिचर्ड्स,

3. **निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त** – टी. एस. इलियट **4.कल्पना सिद्धान्त** – कॉलरिज

5. **काव्य भाषा सिद्धान्त** – वर्ड्सवर्थ 6. **यथार्थवाद** – जॉर्ज लूकाच

इकाई – 4

क – **आलोचना पद्धतियां** – मनोविश्लेषणात्मक, मार्क्सवादी, अस्तित्ववादी, नई समीक्षा, स्वच्छन्दतावादी।

ख – **आधुनिक हिन्दी आलोचना** – प्रमुख विशेषताएं – हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनका मौलिक अवदान।

1. रामचन्द्र शुक्ल – रस दृष्टि और लोकमंगल की अवधारणा।
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – सांस्कृति ओर ऐतिहासिक आलोचना।
3. नन्ददुलारे वाजपेयी – सौष्ठववादी आलोचना।
4. डॉ. नामवर सिंह की मार्क्सवादी आलोचना।
5. डॉ. नगेन्द्र – रसवादी आलोचना ।

इकाई – 5

1. – साहित्यिक विधाओं का सैद्धान्तिक स्वरूप (महाकाव्य, खण्डकाव्य, उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, निबन्ध, आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा , जीवनी, गीतिकाव्य)।
2. – मिथक , फंतासी, स्वच्छदतावाद और यथार्थवाद, समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणा :– विसंगति, अन्तर्विरोध, विखण्डनवाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकवाद, स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, अश्वेत साहित्य, प्रवासी साहित्य।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न–पत्र तीन खंडों क्रमशः अ, ब, और स में विभक्त होगा।
2. खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
3. खंड ब में प्रत्येक इकाई में से 1 प्रश्न पूछते हुए कुल 7 आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, इनमें से विद्यार्थी को अनिवार्य रूप से 5 प्रश्न हल करने होंगे।
4. खंड स में पॉचों इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को 2 प्रश्न अनिवार्य रूप से हल करने होंगे।
5. प्रश्न–पत्र वर्तमान में निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार हो।

विस्तृत अंक योजना –

खण्ड	कुल प्रश्न	अनिवार्य प्रश्न	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	शब्द सीमा	विवरण
अ	10	10	2	20	50	खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
ब	7	5	8	40	200	प्रत्येक इकाई में से 1 प्रश्न पूछते हुए कुल 7 आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। इनमें से विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से 5 प्रश्न हल करने होंगे।
स	4	2	20	40	500	5 इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएं –जिनमें प्रत्येक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न पूछा जाएं।

सहायक ग्रन्थ –

1. काव्यशास्त्र – डॉ. भागीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र – भाग – 1 – पं. बलदेव उपाध्याय
3. रस सिद्धान्त : स्वरूप और विश्लेषण – डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित
4. रस सिद्धान्त – डॉ. नगेन्द्र
5. रस मीमांसा – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
6. अभिनव रस मीमांसा – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
7. साहित्यालोचन – श्याम सुन्दर दास
8. साहित्यशास्त्र – डॉ. रामशरण दास
9. हिन्दी काव्य शास्त्र की भूमिका – राममूर्ति त्रिपाठी
10. भारतीय काव्य शास्त्र के सिद्धान्त – कृष्णदेव झारी
11. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा
12. पाश्चात्य काव्य शास्त्र का इतिहास – तारकनाथ बाली
13. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन – डॉ. निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
14. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
15. आलोचक और आलोचना – डॉ. बच्चन सिंह
16. कविता के नए प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह
18. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त – भाग 2 – गोविन्द त्रिगुणायत
19. हिन्दी काव्य शास्त्र इतिहास – डॉ. भागीरथ मिश्र
20. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द – डॉ. बच्चन सिंह
21. समीक्षा लोक – डॉ. भागीरथ दीक्षित
22. हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – शिवकुमार मिश्र
23. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी
24. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ गणपतिचन्द्र गुप्त
25. भारतीय काव्य शास्त्र – गोविन्द त्रिगुणायत
26. रस सिद्धान्त और सौन्दर्यशास्त्र – डॉ. निर्मला जैन
27. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र

28 भारतीय काव्य शास्त्र का अध्ययन – डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय

29. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धान्त – डॉ. शान्ति स्वरूप गुप्त

30. सौन्दर्य चिन्ता – डॉ. विमल

31. पाश्चात्य काव्य शास्त्र–अधुनातन सन्दर्भ – डॉ. सत्यदेव मिश्र

32. समाजविज्ञान कोश – अभय कुमार दुबे